



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 27, 1983/आश्विन 5, 1905.
No. 4] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 27, 1983/ASVINA 5, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज, जयपुर
जयपुर, 23 सितम्बर, 1983

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

आदेश संख्या: राज/सहा. आ. अर्जुन/2129:—यतः
मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त 'अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
पट्टी का नोहरा है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31-12-1982 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के

ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर,
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा

269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री ओम प्रकाश भंडारी पुत्र श्री बलवन्त राय भंडारी, पट्टी का नोहरा, मोती चौक, जोधपुर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम राज पुत्र श्री मान मल चोपड़ा, मोती चौक, जोधपुर (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पट्टी का नोहरा में स्थित भूकान सम्पत्ति का भाग जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3411 दिनांक 31. दिसम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

[फा० सं० 316ए/336/83-डब्ल्यू० टी०]
क्र० आर० राघवन, अतिरिक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

Office of the I.A.C. Acquisition Range,
Central Revenue Building,
Statue Circle, Jaipur

Jaipur, the 23rd September, 1983

Notice under section 269D (1) of the Income tax Act, 1961
(43 of 1961)

Ref. No. R&J/IAC(Acq.)/2129.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the

Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Petti Ka Nohara situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 31-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the said market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Om Prakash Bhandari, S/o, Shri Balwant Rai Bhandari, Petti Ka Nohara, Moti Chowk, Jodhpur (Transferor)
- (2) Shri Prem Raj, S/o, Shri Man Mal Chopra, Moti Chowk Jodhpur (Transferee).

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :-The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Part of the property situated at Petti Ka Nohara, Moti Chowk, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide No. 3411 dated 31-12-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority.
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

[F. No. 316A/336/83-WT]

K. R. RAGHAVAN, Additional Secy.